THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) and (b) No, Sir. Adequate rest rooms exist at present at C.S.T. and Churchgate stations for motormen and Guards.

रेलवे कुलियों के लिए सुविधाएं

3003. श्रीमती आनंदी ज० पटेल: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की ऐसी कोई योजना है जिसके अंतर्गत रेलवे प्लेटफार्मों पर कार्य करने वाले कुलियों को रेलवे के नियमित कर्मचारियों के समान सुविधाएं प्राप्त हो सकें;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) से (ग) चूंकि भारिकों को, यात्रियों से सीधे प्रभार वसूल करके उनका सामान ढोने के लिए रेलवे स्टेशनों पर लाइसेंस प्रदान किए जाते हैं और वे रेल कर्मचारी नहीं हैं इसलिए उन्हें रेल कर्मचारियों के समान सुविधाएं देने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

Computerised rail reservation facility in Rajasthan and Orissa

3004. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of railway stations in Rajasthan and Orissa where computerised rail reservation facilities are available, till date;

(b) whether Government have any proposal to provide computerised reservation facility to all the major stations in the above mentioned States;

(c) if so, the details of the proposals mooted for the year 1997-98; and

(d) by when all the railway stations in Rajasthan, Orissa and other States would be completely computerised?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Rajasthan: At 12 locations and Orissa : At 7 locations.

(b) and (d) As per the extant policy computerised reservation facilities have been provided at all stations which have a workload of 300 and above reservation related transactions per day. Lesser volume of reservation work at other stations does not at present justify the provision of these facilities. Over 92% of the reservation workload on the Indian Railways has been computerised. Provision of computerised reservation facilities is an on-going process and additional locations are covered subject to justification with reference to the criterion, feasibility and availability of resources.

(c) The provision of computerised reservation facilities at Balasore, Utkal University-Bhubaneswar (Satellite), Sambalpur Road (Saellite) and a satellite location in Puri has been included in the Annual Plan for 1997-98.

मानद पासों का जारी किया जाना

3005. श्री राघवजी: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1996 के दौरान मंत्रालय द्वारा राज्य-वार कितने मानद पास जारी किये गए हैं और ये किन-किन श्रेणियों के लिए जारी किये गए;

(ख) ये पास किस समयावधि के लिए जारी किये गए थे; और

(ग) इस पासों के जारी करने का आधार क्या है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) राज्यवार आंकड़े नहीं रखे जाते हैं बहरहाल 1996 के दौरान जारी किए गए मानार्थ कार्ड पास निम्नानुसार हैं:—

क्र० सं०	श्रेणी	जोड़	श्रेणी		
			प्र०वा०कू०	प्र०/द्वि०वा०कू०	द्वितीय श्रेणी
1.	रेल मंत्री के विवेक पर व्यक्तिगत और संगठनों को	423	3	415	5
2.	भूतपूर्व रेल मंत्री/रेल राज्य मंत्री/उप रेल मंत्री	12	12	—	—
3.	भूतपूर्व संसद सदस्य	1620	कोई नहीं	1620	कोई नहीं
4.	अर्जुन पुरस्कार विजेता/ओलंपिक पदक विजेता/एशिया और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता	318	कोई नहीं	318	कोई नहीं
5.	वीरता पुरस्कार (रक्षा)	352	कोई नहीं	352	कोई नहीं
6.	वीरता पुरस्कार (पुलिस)	176	कोई नहीं	176	कोई नहीं
7.	भारत के राष्ट्रीय खेल संघ के अध्यक्ष/सचिव	41	कोई नहीं	41	कोई नहीं
		2942	15	2922	05

(ख) उपर्युक्त मद (1) के लिए पास की वैद्यता साधारणतः एक वर्ष के लिए होती है। जबकि भूतपूर्व रेल मंत्रियों को जारी किए गए पास आजीवन के लिए वैद्य होते हैं, भूतपूर्व संसद सदस्यों को जारी किए गए पासों की वैद्यता प्रारंभ में 6 वर्ष के लिए होती है इसके पश्चात् उनका नवीकरण कराया जाता है। अन्य श्रेणियों में जारी किए गए पासों से संबंध में वैद्यता प्रारंभ में एक वर्ष के लिए होती है, तत्पश्चात् इनका प्रत्येक वर्ष नवीकरण कराया जाता है।

(ग) उपरोक्त श्रेणी (1) के संबंध में मानार्थ कार्ड पास रेल मंत्री के स्व-विवेक पर सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक तथा राष्ट्रीय महत्व की समाज कल्याण गतिविधियों में लगे प्रतिष्ठित व्यक्तियों एवं संगठनों को जारी किए जाते हैं। अन्य श्रेणियां स्वतः स्पष्ट हैं।

रेलवे प्लेटफार्मों पर बुक स्टॉलों का आवंटन

3006. श्री राघव जीः क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 31 दिसंबर, 1996 तक ए० एच० व्हीलर कंपनी को देश भर में रेलवे प्लेटफार्मों पर कुल कितने बुक स्टॉल लगाने का कार्य सौंपा गया था;

(ख) एक ही कंपनी को इतने अधिक स्थानों पर बुक स्टॉल आवंटित करने के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार के पास केवल स्थानीय लोगों और शिक्षित बेरोजगारों को ही प्राथमिकता के आधार पर बुक स्टॉल आवंटित करने की कोई योजना है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) और (ख) मैसर्स ए० एच० व्हीलर्स एंड कम्पनी द्वारा चलाए जा रहे बुक स्टालों की कुल संख्या 374 है। ये स्टाल 100 वर्षों से अधिक अवधि के लिए आबंटित किए गए थे।

(ग) वर्तमान नीति के अनुसार नए बुक स्टालों का आवंटन बेरोजगार स्नातकों, उनके साझेदारी में, यथार्थ कार्यकर्ताओं/वेंडरो की ऐसोसिएशनों और सहकारी समितियों के लिए आरक्षित होता है।

Progress of gauge conversion Ajmer-Mehsana rail line

3007. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the progress made in the work of conversion of Ajmer-Mehsana line from